



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



ब. 303]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 16, 1994/ज्येष्ठ 26, 1916

No. 303]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 16, 1994/JYAISTHA 26, 1916

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 10 जून, 1994

का.आ. 452(अ).— केन्द्रीय सरकार का संबंधित पक्षकारों की मृतवाह के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड के जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित सरकारी कंपनी है, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय पश्चिमी बंगाल राज्य में 225-ई, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-20 में है, मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए और बेतहर दक्ष तथा मितव्ययी प्रबंध और निगमन करने के प्रयोजन के लिए और उपलब्ध तकनीकी विशेषज्ञता का बेहतर उपयोग करने और विभिन्न संसाधनों के बेहतर तथा अधिक उत्पादनकारी उपयोग और कारबार के विकास के लिए, कि लोकहित में यह आवश्यक है कि वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित सरकारी कंपनी है जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय

पश्चिमी बंगाल राज्य में 225-ई, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता-20 में है और उक्त बिजनेस मशीन्स लिमिटेड को एक कंपनी में समामेलित किया जाय ;

2. और प्रस्तावित आदेश की प्रारूप में एक प्रति पूर्वोक्त कंपनियों अर्थात् वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड और वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को 19 अक्टूबर, 1992 को आक्षेप/मुझाव आमंत्रित करने के लिए दो समाचार पत्रों में उसके प्रकाशन के लिए भेजी गई थी ;

3. और पूर्वोक्त कंपनियों के समामेलेन की स्कीम पूर्वोक्त कंपनियों के शेयरधारकों/लिनदारों से आक्षेप और मुझाव आमंत्रित करने के लिए, 22-12-1992 को दो समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी और समामेलेन की स्कीम के संबंध में कोई आक्षेप या मुझाव शेयरधारकों/लिनदारों से केन्द्रीय सरकार को प्राप्त नहीं हुए हैं ;

4. और वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्ला-इज यूनियन और अन्य ने माननीय उच्च न्याया-लय, कलकत्ता में एक रिट याचिका फाइल की थी और

माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने अपने तारीख 26-5-1993 के आदेश द्वारा यह निर्देश दिया था कि केन्द्रीय सरकार के प्राधिकारी दिन प्रतिदिन इस मामले की सुनवाई करेंगे और इस आदेश की सूचना की तारीख से चार सप्ताह के भीतर उसका निबटारा करेंगे ;

5. और वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्लाइट यूनियन और अन्य की ओर से श्री कुशल पाल, अधिवक्ता अपने तारीख 27 मई, 1993 के पत्र में जो केन्द्रीय सरकार द्वारा 10 जून, 1993 को प्राप्त किया गया था, यह कथन किया था कि उक्त यूनियन द्वारा फाटल की गई रिट याचिका पर उच्च न्यायालय का कलकत्ता में 26 मई 1993 को सुनवाई हुई थी और माननीय न्यायाधीश ने उक्त रिट याचिका में याची द्वारा उठाए गए आक्षेपों पर विचार करने के लिए केन्द्रीय सरकार को निर्देश देते हुए उपरोक्त मामलों का निबटारा कर दिया था ;

6. और उच्च न्यायालय, कलकत्ता के तारीख 26 मई, 1993 के आदेश की प्रति श्री कुशल पाल, अधिवक्ता के उक्त पत्र में संलग्न नहीं थी और केन्द्रीय सरकार उच्च न्यायालय के उक्त आदेश की प्रति क्षेत्रीय निर्देशक कलकत्ता, से 23 मिनम्बर, 1993 को प्राप्त की ;

7. और उच्च न्यायालय, कलकत्ता के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, याची और उक्त दोनों कंपनियों को संयुक्त सचिव, कंपनी कार्य विभाग, विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय के समक्ष 20 अक्टूबर, 1993 को सुनवाई के लिए बुलाया गया था और सुनवाई की उक्त तारीख कोई भी भी पक्षकार उपस्थित नहीं हुआ ;

8. 20 अक्टूबर, 1993 को पक्षकारों के उपस्थित न होने के कारण, सुनवाई पुनः 29-10-1993 को नियत की गई जब श्री शंकरपुरी, अधिवक्ता वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की ओर से उपस्थित हुए किन्तु अन्य कंपनी वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड या इम्प्लाइट यूनियन की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ और संयुक्त सचिव, कंपनी कार्य विभाग ने यह निर्देश दिया कि वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड के तारीख 12-4-1993 के उत्तर की एक प्रति वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्लाइट यूनियन को दी जाए और अंतिम सुनवाई 24-11-1993 को नियत की गई जो संयुक्त सचिव की अनुपस्थिति में जो मुख्य निर्वाचन आयुक्त के निर्देश पर निर्वाचन ड्यूटी के संबंध में मथुरा गए हुए थे। निर्देशक द्वारा दी गई तथा सुनवाई की उक्त तारीख को दोनों कंपनियों से और इम्प्लाइट यूनियन से भी प्रतिनिधि उपस्थित हुए और दोनों कंपनियों के अधिवक्ता

और प्रतिनिधि 1994-95 से समामेलित एकक के रूप में पांच वर्ष की अवधि के लिए 28 फरवरी, 1994 तक संभावित लाभ के विवरण प्रस्तुत करने के लिए सहमत हुए। और इम्प्लाइट यूनियन के प्रतिनिधियों ने यह कथन किया था कि वे 28-2-1994 तक और निवेदन करेंगे किन्तु उक्त तारीख तक कोई निवेदन प्राप्त नहीं हुआ था ;

9. और दोनों कंपनियों ने 25 फरवरी, 1994 तक संभावित लाभ का विवरण प्रस्तुत किया। अतः 7 मार्च 1994 को उक्त संयुक्त सचिव कंपनी कार्य विभाग के समक्ष नहीं दिल्ली में सुनवाई नियत की गई और दोनों कंपनियों की ओर से अधिवक्ता उपस्थित हुए किन्तु वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्लाइट यूनियन की ओर से कोई अधिवक्ता या प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ ;

10. और उच्च न्यायालय, कलकत्ता के तारीख 26 मई, 1993 के उक्त आदेश को ध्यान में रखते हुए और वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्लाइट यूनियन के तारीख 1 नवम्बर, 1993, 25 फरवरी, 1994 और 7 मई, 1994 के पत्रों को ध्यान में रखते हुए जिसमें उन्होंने कलकत्ता में सुनवाई के लिए मांग की थी अंतिम सुनवाई कलकत्ता में नियत किए जाने को समुचित समझा गया तथा संयुक्त सचिव, कंपनी कार्य विभाग ने 17 मार्च, 1994 को कलकत्ता में सुनवाई की जिसमें वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड और इम्प्लाइट यूनियन और दोनों कंपनियों के अधिवक्ता और प्रतिनिधि हाजिर हुए और कंपनियों के काउन्सेल द्वारा उपलब्ध कराए गए पूर्व लाभ के तुलनात्मक चार्ट की प्रति वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्लाइट यूनियन के अधिवक्ता को दी गई थी ;

11. और वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्लाइट यूनियन तारीख 11-1-1993 के पत्र सं. 11011 को वह पत्र कथित किया गया था जो "उपाबंध ड" के रूप में रिट याचिका से संलग्न किया गया था और जिस पत्र पर उच्च न्यायालय, कलकत्ता के निर्देशानुसार विचार किया जाना था, और उक्त पत्र में यह कथन किया गया था कि वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड एक चालू समुत्थान है जिसमें जीवन क्षमता है और जो कि लाभदायक समुत्थान है तथा उसके पास अतः शक्ति है जब कि वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड प्रारम्भ से ही घाटे वाला समुत्थान है और उक्त पत्र में यह कथन किया गया था कि वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड के कर्मचारियों और कर्मचारियों को समामेलन के कारण अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ेगा और आगे यह कथन किया गया था कि वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड के कर्मचारियों ने पिछले दो वर्षों में बीस प्रतिशत बोनस प्राप्त किया है और प्रबन्ध द्वारा समामेलन का विनिश्चय उन्हें सुने जाने का अवसर दिए बिना किया गया है तथा ऐसा विनिश्चय पूर्णतः अवैध और मनमाना है तथा समामेलन के लिए कोई स्कीम नहीं है और ऐसा समामेलन लोकहित में नहीं है।

12. और वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड ने तारीख 11 जनवरी, 1993 के उक्त पत्र का पहले उत्तर भेजा था और इस पत्र की एक प्रति वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्लाइज यूनियन को दी गई थी तथा उक्त कम्पनी ने यह कथन किया था कि समामेलन की स्कीम के पैरा 26 में यह उपबंध है कि अंतरक कंपनी के सभी कर्मचारी सेवा में व्यवधान डाले बिना अंतरिती कंपनी के कर्मचारी हो जाएंगे और उन्हीं निबंधनों पर जो अंतरण की प्रभावी तारीख को उनको लागू निबंधनों से उनके लिए कम अनुकूल नहीं है और आगे यह कथन किया गया है कि प्रस्तावित समामेलन लोकहित में है और राज्य सरकार ने अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं प्राप्त किया गया है और यह कथन किया गया है कि दोनों अंतरक और अंतरिती कंपनियां घाटे वाले समुत्थान हैं और यह कथन किया गया है कि अंतरक कंपनी के मामले में वर्ष 1990-91 में इस वर्ष में परिचालन लाभ के कारण वीज प्रतिगत की दर में वोनस संबन्ध किया गया था और आगे यह कथन किया गया कि अगले वर्ष 1991-92 में वोनस, वोनस अधिनियम, 1965 (1965 का 21) के संदाय के अनुसार अग्रणीत किए गए लाभ से संबन्धित किया गया था।

13. और दोनों कंपनियों ने संभावित और पूर्व लाभ के संबंध में सूचना प्रस्तुत की थी तथा केन्द्रीय सरकार ने इस बात की परीक्षा की कि क्या वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड एक लाभदायक एकक है और इसके कर्मचारियों को वोनस से वंचित किया जा रहा है, तथा केन्द्रीय सरकार ने दोनों कंपनियों के लाभ और हानि के तुलनात्मक आकड़ों की परीक्षा की, जो निम्नलिखित हैं :—

लाभ और हानि लेखा आकड़ा लाख रुपए में

| वर्ष                      | वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लि. | वेबेल बिजनेस मशीन्स लि. |
|---------------------------|-------------------------------|-------------------------|
| 1986-87                   | (14.80)                       | (13.59)                 |
| 1987-88                   | (8.94)                        | (4.95)                  |
| 1988-89                   | (10.86)                       | + 3.14                  |
| 1989-90                   | (17.07)                       | (26.07)                 |
| 1990-91                   | (25.99)                       | + 44.09                 |
| 1991-92                   | (35.34)                       | + 11.62                 |
| 1992-93                   | (36.95)                       | (67.91)                 |
| योग 1986-87 से 1989-90 तक | (51.47)                       | (41.47)                 |
| योग 1986-87 से 1992-93 तक | (149.95)                      | (33.67)                 |

14. और केन्द्रीय सरकार ने दोनों कंपनियों के 1986-87 से 1992-93 तक के लाभ और हानि के आकड़ों पर विचार किया है और यह नोट किया है कि दोनों कंपनियों पूर्णतः घाटा उठाने वाली कंपनियां हैं।

15. और 17-3-1994 को सुनवाई के दौरान वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड इम्प्लाइज यूनियन की ओर से यह निवेदन किया गया था कि वर्ष 1992-93 के लिए हानियों को बढ़ाया गया था जिसमें कि यह दर्शित किया जा सके कि वेबेल मशीन्स लिमिटेड एक घाटा उठाने वाला संगठन है और इस निवेदन की बाबत कोई समर्थक साक्ष्य नहीं दिया गया था तथा उक्त तर्क को न्यायोचित ठहराने के लिए कोई साक्ष्य नहीं है कि 1992-93 के दौरान वेबेल बिजनेस की हानियां बढ़ाई गई थी और वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड और वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड दोनों के लाभ और हानि आकड़ों में संबंधित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला गया है कि इस दायें में कि वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड एक लाभदायक उपक्रम है, अतः इसके वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ समामेलन को अनुमोदन नहीं किया जाना चाहिए, कोई सार नहीं है।

16. और यह कथन किया गया है कि वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड में अनेक कर्मचारियों के वेतनमान वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में समरूप वेतनमान की तुलना में उच्चतर है तथा केन्द्रीय सरकार ने इस आक्षेप पर विचार किया था और प्रस्तावित समामेलन में स्पष्ट उपबंध को ध्यान में रखते हुए कि अंतरक कंपनी के सभी कर्मचारी उन्हीं निबंधनों पर, जो अंतरण की प्रभावी तारीख का उनको लागू निबंधनों से उनके लिए कम अनुकूल नहीं है, सेवा में बने रहेंगे इस आक्षेप का कोई आधार नहीं है।

17. अतः अब, केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 396 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दोनों कंपनियों के एक कंपनी में समामेलन का उपबंध करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

18. संक्षिप्त नाम—इस आदेश का संक्षिप्त नाम वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड और वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (समामेलन) आदेश, 1994 है।

19. परिभाषा—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “नियत दिन” से यह तारीख अभिप्रेत है जिसको यह आदेश राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है;

(ख) “विघटित कंपनी” से वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड अभिप्रेत है,

(ग) “परिणामी कंपनी” से वेबेल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड अभिप्रेत है।

20. (क) 31 मार्च, 1992 को यथा विद्यमान अंश (शेयर) धारक का स्वरूप निम्न प्रकार है :

(i) वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड :-

| शेयर धारक का नाम  | अंशों (शेयरों) की संख्या | रकम       |
|---|--------------------------|-----------|
| वेबेल बंगाल इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री डवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड की नियंत्री कंपनी | 5,95,005                 | 5,95,0050 |

(ii) वेबेल पावर इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड :-

| शेयर धारक का नाम  | अंशों (शेयरों) की संख्या   | रकम (रुपयों में) |
|---|--|------------------|
| वेस्ट बंगाल इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री डवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड की नियंत्री कंपनी | प्रत्येक 10 रुपये के 95,000 साधारण अंश (शेयर)  | 95,0,000         |
|   | (उपर्युक्त साधारण अंश (शेयर) में से 67,850 अंश (शेयर) नियंत्री कंपनी वेस्ट बंगाल इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री डवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा धारित हैं। |                  |
| अतिरिक्त समग्र अंश (शेयर)   |  | 17,250           |
| योग   |  | 9,67,250         |

(ख) वेबेल बिजनेस मशीन्स लिमिटेड में प्रत्येक 10 रुपये वाले पूर्णतः समाप्त सभी 5,95,005 साधारण अंशों (शेयरों) को जो अब वेस्ट बंगाल इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री डवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, के नाम में धारित हैं, रद्द कर दिया जाएगा।

(ग) वेबेल पावर इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, कोई और उपयोजन किए बिना, विघटित कंपनी की एकमात्र शेयर धारक वेस्ट बंगाल इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री डवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड को विघटित कंपनी में वेस्ट बंगाल इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री डवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा धारित प्रत्येक पूर्णतः समाप्त 10 रुपये के साधारण शेयर के लिए परिणामी कंपनी की शेयर पूंजी में प्रत्येक पूर्णतः समाप्त 10 रुपये का एक साधारण शेयर आबंटित और जारी करेगा। उपर उल्लिखित रीति में आबंटित और जारी किए गए सभी शेयर सभी प्रकार से बैंक में परिणामी कंपनी की शेयर पूंजी में विद्यमान साधारण शेयरों की मात्रा के अनुसार होंगे।

21. कंपनियों का सम्मेलन : (i) नियत दिन में ह विघटित कंपनी का समस्त कारोबार और उपक्रम इसके विल्लंगों के अधीन रहते हुए यदि कोई हों, जहां पर भी ह जिसके अंतर्गत सभी संपत्तियां चाहे जंगम हों या स्थावर और अन्य आस्तियां चाहे वे किसी भी प्रकार की हों जैसे मशीनरी और सभी स्थिर आस्तियां पट्टे भूधृति अधिकार शेयरों में या अन्यथा विनिधान, व्यापार में स्टॉक कर्मशाला, ऑजार, अभिवहन में माल, सभी प्रकार के धन के अधिम बही खाता ऋण, बकाया धन वसूलीय दावे, करार औद्योगिक और अन्य अनुज्ञप्तियां और अनुज्ञापत्र आयात और अन्य अनुज्ञप्तियां आशय-पत्र और सभी बंधकों प्रभागी और आडमान के संबंध में प्रत्येक वर्ग के सभी अधिकार और शक्तियां प्रत्याभूतियां और विघटित कंपनी को उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के सभी अधिकार और कार्यवाही या विलेख के बिना प्रवृत्त विधि के अनुसार परिणामी कंपनी को अंतरित हो जाएंगे और उसमें निहित हो जाएंगे और उसमें अंतरित और निहित हुए समझे जाएंगे। अंतरक कंपनी के सभी लेनदार अंतरित कंपनी के लेनदार हो जाएंगे और किसी संविदाकारी या कानूनी बाध्यता को छोड़कर जब तक न उन पर शोध न हो लेनदारों को संदाय प्राधिक युक्तियुक्त समय में किए जाएंगे।

(ii) लेखा के प्रयोजनों के लिए सम्मेलन दोनों कंपनियों के 31 मार्च, 1992 को यथा विद्यमान संपरीक्षित लेखाओं और तुलनपत्रों के प्रति निर्देश से प्रभावी होगा और उसके पश्चात् संव्यवहारों को एक सामान्य लेखा में पूल किया जाएगा। विघटित कंपनी से किसी पश्चात्कर्ती तारीख को अपना अंतिम लेखा तैयार करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी और परिणामी कंपनी 1 अप्रैल 1992 को यथा विद्यमान तुलनपत्र के अनुसार सभी आस्तियां और दायित्वों को ग्रहण करेगी और उसके पश्चात् के सभी संव्यवहारों के लिए पूर्ण उत्तरदायित्व स्वीकार करेगी।

स्पष्टीकरण :—‘विघटित कंपनी के उपक्रम’ के अंतर्गत सभी अधिकार शक्तियां प्राधिकार और सभी संपत्ति जंगम या स्थावर, जिसके अंतर्गत नकद अतिशेष आरक्षितियां राजस्व, अतिशेष विनिधान और ऐसी संपत्ति में या उससे उद्भूत होने वाले अन्य सभी हित और अधिकार जो नियत दिन के ठीक पूर्व विघटित कंपनी के हों और उमंगे संबंधित सभी बहियां लेख और दस्तावेज तथा विघटित कंपनी के उस समय विद्यमान सभी ऋण दायित्व कर्तव्य और बाधनाएं चाहे वे किसी भी प्रकार की उस समय हों आती हैं।

22. संपत्ति को कुछ सदा का अंतरण :—

इस आदेश के प्रयोजन के लिए नियत दिन को यथा विद्यमान विघटित कंपनी के सभी लाभ या हानि या दोनों यदि कोई हों और विघटित कंपनी के राजस्व आरक्षित या घाटा या दोनों यदि कोई हों जब परिणामी कंपनी को अंतरित होते हैं जो वे परिणामी कंपनी के यथास्थिति लाभ या हानि और राजस्व आरक्षित या घाटे का भाग रूप होंगे।

## 23. संविदाओं आदि की व्यावृत्ति :—

इस आदेश में अंतर्विष्ट अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए सभी संविदाओं, बिलेख बंधपत्र करार और अन्य लिखते चाहे वे किसी प्रकार की हों जिनमें विघटित कंपनी एक पक्षकार है जो नियत दिन से ठीक पूर्व अस्तित्व में है या प्रभावी है, परिणामी कंपनी के विरुद्ध या उसके पक्ष में पूर्णतः बलशील और प्रभावी होंगी और उन्हें वैसे ही पूर्ण और प्रभावी रूप से प्रवृत्त किया जा सकेगा मानों परिणामी कंपनी उनका एक पक्षकार थी।

## 24. विधि कार्यवाहियों की व्यावृत्ति :

यदि नियत दिन को, विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध कोई अभियोजन, अपील या किसी भी प्रकृति की अन्य विधिक कार्यवाही संबन्धित है तो वह विघटित कंपनी के उपक्रम के परिणामी कंपनी को अंतरित हो जाने के कारण या इस आदेश में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी उपबंधित नहीं होगी या उसे बंध नहीं किया जाएगा अथवा किसी भी प्रकार से उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। किन्तु ऐसी बात, अभियोजन, अपील या अन्य विधिक कार्यवाही, परिणामी कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध उसी रीति से और उसी विस्तार तक जारी रखी जा सकेगी, अभियोजित और प्रवर्तित की जा सकेगी। जिस रीति से और जिस विस्तार तक वह विघटित कंपनी द्वारा या उसके विरुद्ध जारी रखी जा सकती या अभियोजित और परिवर्तित की जा सकती थी। यदि यह आदेश नहीं किया गया होता।

## 25. कराधान की बाबत उपबंध :

नियत दिन से पूर्व विघटित कंपनी द्वारा किए गए कारखार के लाभों और अभिलाभों (जिनके अन्तर्गत संचित हानियाँ और अन्तर्मेहित अवक्षेपण भी है) की बाबत सभी कर परिणाम कंपनी द्वारा ऐसी रियायतों और राहतों के अधीन रहते हुए सदेव होंगे जो इस समामेलन के परिणामस्वरूप आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन अनुज्ञात की जाए।

26. विघटित कंपनी के विद्यमान अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों की बाबत उपबंध:—विघटित कंपनी में नियत दिन के ठीक पूर्व नियोजित प्रत्येक पूर्ण कालिक अधिकारी या कर्मचारी (विघटित कंपनी के निदेशकों को छोड़कर) नियत दिन से परिणामी कंपनी का यथास्थिति, अधिकारी या कर्मचारी हो जाएगा और वह उसमें अपना पद या अपनी सेवा उसी अवधि के लिए और उन्हीं निबंधनों और शर्तों पर और वैसे ही अधिकारों और विशेषाधिकारों के साथ धारण करेगा जो वह, यदि वह आदेश नहीं किया गया होता, तो विघटित कंपनी के अधीन धारण करता और वह तब तक ऐसा करता रहेगा जब तक परिणामी कंपनी में उसका नियोजन सम्यक् रूप से समाप्त नहीं कर दिया जाता है या जब तक उसका पारिश्रमिक और नियोजन की शर्तें पारस्परिक सहमति द्वारा सम्यक् रूप से परिवर्तित नहीं कर दी जाती हैं।

## 27. निदेशकों की स्थिति :

विघटित कंपनी का प्रत्येक निदेशक, जो नियत दिन के ठीक पूर्व उस रूप में पद धारण किए हुए हैं, नियत दिन को विघटित कंपनी का निदेशक नहीं रह जाएगा।

28. भविष्य निधि की सदस्यता :—विघटित कंपनी के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की रक्रीम के अधीन उस कर्मचारी भविष्य निधि के सदस्य बने रहेंगे, जिसके वे सदस्य हैं और परिणामी कंपनी इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित के नियत दिन से उन अधिकारियों और कर्मचारियों की बाबत, उन्हीं दरों पर, जिन पर विघटित कंपनी द्वारा अभिदाय किया जाता था, उक्त कर्मचारी भविष्य निधि में नियोजनों का अभिदाय करेगी और करती रहेगी।

29. वेबेल विजनेस मशीन्स लिमिटेड का विघटन : इस आदेश के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए नियत दिन से वेबेल विजनेस मशीन्स लिमिटेड विघटित हो जाएगी और कोई भी व्यक्ति विघटित कंपनी के विरुद्ध या उसके किसी निदेशक या किसी अधिकारी के विरुद्ध उसकी ऐसे निदेशक या अधिकारी की हस्तियत में न तो कोई दावा करेगा, न कोई मांग करेगा और न ही कोई कार्यवाही करेगा, सिवाय वहां तब जहां तक इस आदेश के उपबंधों को प्रवर्तित करने के लिए आवश्यक हो।

30. कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा आदेश का रजिस्ट्रीकरण : केन्द्रीय सरकार इस आदेश के राजपत्र में अधिसूचित किए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र कंपनी रजिस्ट्रार, कलकत्ता को इस आदेश की एक प्रति भेजेगी जिसकी प्राप्ति पर कंपनी रजिस्ट्रार, कलकत्ता परिणामी कंपनी द्वारा ब्रिहित फीस का संदाय किए जाने पर आदेश को रजिस्ट्रार करेगा और इस आदेश की प्रति की प्राप्ति की तारीख से एक मास के भीतर उसके रजिस्ट्रीकरण को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करेगा। उसके पश्चात् कंपनी रजिस्ट्रार, कलकत्ता विघटित कंपनी से संबंधित रजिस्ट्रीकृत अर्गलखित या उसके पास फाइल किए गए सभी दस्तावेज, परिणामी कंपनी, जिसके साथ अंतरक कंपनी का समामेलन किया गया है, की फाइल में रखेगा और उन्हें समेकित करेगा और इस प्रकार समेकित दस्तावेजों को अपनी फाइल में रखेगा।

## 31. परिणामी कंपनी के संगम जापन और संगम अनुच्छेद

वेबेल विजनेस मशीन्स लिमिटेड के संगम जापन और संगम अनुच्छेद, जिस रूप में नियत दिन के ठीक पूर्व विद्यमान थे, नियत दिन से ही परिणामी कंपनी के संगम जापन और संगम अनुच्छेद हो जाएंगे।

[सं. 24/4/92-सी एल. III]

जेन्दर सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY  
AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 10th June, 1994

S.O. 452(E).—Whereas the Central Government, after hearing the parties concerned, is satisfied that for the purpose of securing the principal object of the Webel Business Machines Limited, Government Company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) having its Registered office at 225-E, Acharya Jagdish Chandra Bose Road, Calcutta-20, in the State of West Bengal and for the purpose of securing better, efficient and economical management and control, and to better utilise the technical expertise available and for better and more productive utilisation of various resources and development of business, it is essential in the public interest that the Webel Power Electronics Limited, a Government Company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and having its Registered Office at 225-E Acharya Jagdish Chandra Bose Road, Calcutta-20, in the State of West Bengal and the said Business Machines Limited should be amalgamated into a single company.

2. And whereas copy of the proposed order was sent in draft to the aforesaid companies, namely Webel Business Machines Limited and the Webel Power Electronics Limited on the 19th October, 1992 for its publication in two newspapers inviting objections/suggestions;

3. And whereas, the scheme of amalgamation of the aforesaid companies was published in two newspapers on 22-12-1992 for inviting objections and suggestions from the share-holders/creditors of the aforesaid companies; And whereas no objection or suggestions have been received the Central Government from share holders/creditors in regard to the scheme of amalgamation;

4. And whereas Webel Business Machines Limited Employees Union and others had filed a writ petition in the Hon'ble High Court at Calcutta and the Hon'ble High Court at Calcutta vide their order dated 26-5-1993 directed that the Central Government authorities will hear the matter day to day and dispose of the same within four weeks from the date of communication of the order;

5. And whereas Shri Kushal Pal, advocate for the Webel Business Machines Limited Employees Union and others in his letter dated 27th May, 1993 which was received by the Central Government on 10th June, 1993 stated that a writ petition filed by the said Union was heard in the High Court of Calcutta on 26th May, 1993 and that His Lordship disposed of the above matter by directing the Central Government to consider the objections raised by the petitioner in the said writ petition;

6. And whereas the copy of the order dated 26th May 1993 of the High Court at Calcutta was not enclosed with the said letter of advocate Shri Kushal Pal and the Central Government obtained the copy of the said order of High Court from the Regional Director, Calcutta on 23rd September, 1993;

7. And whereas keeping in view the directions of the High Court of Calcutta, the petitioner and the said two companies were called for a hearing on 20th October, 1993 before the Joint Secretary in the Department of Company Affairs, Ministry of Law, Justice & Company Affairs and none of the parties appeared on the said date of hearing;

8. And whereas due to non-appearing of parties on 20th October, 1993, the hearing was again fixed on 29th October, 1993 when Shri Sharad Puri, Advocate appeared for Webel Power Electronics Limited and none appeared either for the other company Webel Business Machine Limited or for the employee's union and whereas Joint Secretary, Department of Company Affairs directed that a copy of the reply of Webel Business Machine Limited dated 12-4-1993 be given to the Webel Business Machine Limited Employees Union. And whereas final hearing was fixed on 24-11-1993 which was taken by the Director in the absence of the Joint Secretary who had gone to Mathura in connection with election duty on the directions of Chief Election Commissioner and whereas on the said date of hearing, representatives from both the companies as also from the Employees Union appeared and whereas the advocates and representatives of both the companies agreed to submit statements of projected profitability for the period of five years as an amalgamated unit, with effect from 1994-95 by 28th February, 1994. And whereas the representatives of the Employee's Union had stated that they would make further submissions by 28th February, 1994, and whereas no submissions were received by the said date.

9. And whereas the two companies submitted statement of projected profitability on 25th February 1994 and therefore a hearing was fixed before said Joint Secretary, Department of Company Affairs in New Delhi on 9th March, 1994, and whereas advocates appeared on behalf of the two Companies at no advocate or representative appeared on behalf of the Webel Business Machine Limited Employees Union.

10. And whereas in view of the said order dated 26th May, 1993 of High Court of Calcutta and in view of the Webel Business Machine Limited Employees Union letters dated 1st November, 1993, 25th February, 1994 and 7th March, 1994 wherein they sought for hearing in Calcutta, it was considered appropriate to fix the final hearing in Calcutta, and whereas Joint Secretary, Department of Company Affairs held hearing on 17th March, 1994 at Calcutta which was attended by the advocates and representatives of the Webel Business Machine Limited Employees Union and the two companies, and whereas copy of the comparative chart of past profitability provided by the counsel of the companies was given to the Advocate for the Webel Business Machine Limited Employee's Union.

11. And whereas the letter No. 11011 dated 11-1-1993 of the Webel Business Machine Limited Employees Union was stated to be the letter which had been attached to the writ petition as "ANNEXURE E" and which letter was to be considered, as per the direction of the High Court of Calcutta, and the said letter stated that Webel Business Machine

Limited is going concern which has viability and which is a profitable concern and has potential, whereas Webel Power Electronics Limited is a losing concern since its inception, and whereas it was stated in the said letter that the staff and employees of Webel Business Machines Limited have to face uncertain future due to amalgamation, and whereas it was further stated that Webel Business Machines Limited Employees have received twenty per cent bonus in the last two years and the decision of amalgamation has been taken by the Management without giving them an opportunity of hearing and such decision is wholly illegal and arbitrary and there is no scheme for amalgamation and such amalgamation is not in the public interest;

12. And whereas Webel Business Machines Limited had earlier sent a reply to the said letter dated 11th Jan., 1993 and a copy of this letter was given to Webel Business Machines Limited Employees Union and the said company stated that para 26 of the scheme of amalgamation provides that all the employees of the transferor company shall become the employees of the transferee company without interruption in service and on terms no less favourable to them than those applicable to them as on the effective date of transfer, and whereas it has been further stated that the proposed amalgamation is in the public interest and that no objection certificate has been obtained from the State Government, and whereas it has been stated that both the transferor and transferee companies are losing concerns, and whereas it is stated that in the case of transferor company bonus at the rate of twenty percent was paid in the year 1990-91 because of the operating profit in this year, and whereas it has been further stated that in the following year, 1991-92, bonus was paid from the carried forward profit as per the payment of Bonus Act, 1965 (21 of 1965).

13. And whereas both the companies furnished information regarding projected and past profitability and the Central Government examined whether Webel Business Machines Limited is a profitable unit and its employees are being deprived of bonus, and whereas Central Government examined the comparative figures of profit and loss of both the companies which are as follows :—

| Profit and Loss Account |                                 | Figure in Lakh of Rs.           |
|-------------------------|---------------------------------|---------------------------------|
| Years                   | Webel Power Electronics Limited | Webel Business Machines Limited |
| 1986-87                 | (14.80)                         | (13.59)                         |
| 1987-88                 | (8.94)                          | (40.95)                         |
| 1988-87                 | (10.86)                         | +3.14                           |
| 1989-90                 | (17.07)                         | 26.07                           |
| 1990-91                 | (25.99)                         | +40.09                          |
| 1991-92                 | (35.34)                         | +31.62                          |
| 1992-93                 | (36.95)                         | 67.91                           |
| Total                   |                                 |                                 |
| 1986-87 to 1989-90      | (51.67)                         | (41.47)                         |
| Total                   |                                 |                                 |
| 1986-87 to 1992-93      | (149.95)                        | (53.67)                         |

14. And whereas the Central Government has considered the profit and loss figures of both the companies right from 1986-87 to 1992-93 and has noted that both the companies are on the whole loss making companies.

15. And whereas during the hearing on 17-3-1994, it was submitted on behalf of Webel Business Machine Limited Employees Union that losses had been inflated for the year 1992-93 so as to show that Webel Business Machines Limited was a loss making organisation and no supporting evidence was given in respect of this submission and there is no evidence to justify the said argument that losses of Webel Business were inflated during 1992-93, and whereas in view of the facts regarding profit and loss figures of both Business Machines Limited and Webel Power Electronics Limited it is found that the claim that Webel Business Machines is a profitable undertaking and hence its amalgamation with Webel Power Electronics Limited should not be approved has no substance;

16. And whereas it has been stated that pay scales of many employees are higher in Webel Business Machine Limited as compared to similar pay scales in Webel Power Electronics Limited and whereas the Central Government considered this objection and in view of a clear provision in the proposed amalgamation that all employees of the transferor company shall continue in service on terms no less favourable to them than those applicable to them as on the effective date of transfer, the objection has no basis ;

17. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 396 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby makes the following order to provide for the amalgamation of the said two companies into a single company, namely :—

18. Short title—This order may be called the Webel Business Machines Limited and the Webel Power Electronics Limited (Amalgamation) Order, 1994.

19. Definition—In this order, unless the context otherwise requires,

(a) "appointed day" means the date on which this order is published in the official Gazette;

(b) "dissolved company" means the Webel Business Machines Limited.

(c) "resulting company" means the Webel Power Electronics Limited.

20. (a) The share holding pattern as on 31st March, 1992 is as under ;

(i) Webel Business Machines Limited :—

| Name of the shareholder  | Number of shares        | Amount   |
|--|-------------------------|----------|
| Webel Bengal Electronics Industry Development Corporation Limited the holding company. | 5,95,005                | 5,95,005 |
|  | Shares of Rs. 10/- each |          |

## (ii) Webel Power Electronics Limited :—

| Name of the Shareholders  | Number of Shares  | Amount<br>Rs.   |
|---|---|-----------------|
| West Bengal Electronics Industry Development Corporation Limited the holding company. | 95,000 equity share of Rs. 10/- each (of the above equity shares 67,850 are held by the holding company West Bengal Electronics Industry Development Corporation Limited) | 9,50,000        |
|   | Add: Forfeited shares   | 17,250          |
|   | <b>Total:</b>   | <b>9,67,250</b> |

(b) All the 5,95,005 equity shares of Rs. 10/- fully paid-up in the Webel Business Machines Limited, which are now held in the name of West Bengal Electronics Industry Development Corporation Limited shall be cancelled.

(c) The Webel Power Electronics Limited shall, without further application, allot and issue to West Bengal Electronics Industry Development Corporation Limited, the sole shareholder of the dissolved company, one equity share of Rs. 10 each fully paid-up in the share capital of the resulting company for every one equity share of Rs. 10 each fully paid up held by West Bengal Electronics Industry Development Corporation Limited in the dissolved company. All the shares to be allotted and issued in the manner stated above shall rank pari passu in all respects with the existing equity shares in the share capital of the resulting company.

21. Amalgamation of the Companies.—(i) On and from the appointed day, the entire business and undertaking of the dissolved company subject to encumbrances thereof, if any, in as is where is condition, including all properties, movable immovable and other assets of whatsoever nature including machinery and all fixed assets, leases, tenancy, rights, investments in shares or otherwise, stock-in-trade, workshop tools, goods-in transit, advances of monies of all kind book-debts outstanding monies, recoverable claims, agreements, industrial and other licences and permits, imports and other licences, letters of intent and all rights and powers of every description to all mortgages charges and hypothecation, guarantees, and all rights whatsoever effecting the said properties of the dissolved company shall, without further act or deed, be transferred to and vest in or deemed to be transferred to and vest in the resulting company in accordance with the law in force. All creditors of the transferor company shall become the creditors of the transferee company and except under any contractual or statutory obligation, payments would be made to the creditors in usual reasonable course of time, unless they have fallen due.

(ii) For accounting purposes, the amalgamation shall be effected with reference to the audited accounts and balance sheet, as at the 31st March, 1992 of the two companies and the transactions thereafter shall be pooled into a common account. The dissolved company shall not be required to prepare its final accounts as on any later date and the resulting company shall take over all assets and liabilities according to the balance sheet as on the 1st April, 1992 and accept full responsibility for all transactions thereafter.

Explanation.—The “undertaking of the dissolved company” shall include all rights, powers, authorities and all property movable or immovable, including cash balances, reserves, revenue balances, investments and all other interest and rights in or arising out of such property as may belong to or be in the possession of dissolved company immediately before the appointed day, and all books, accounts and documents relating thereto and also all debts, liabilities, duties and obligations of whatever kind then existing of the dissolved company.

22. Transfer of certain items of Property.—For the purpose of this order, all the profits or losses, or both, if any, of the dissolved company as on the appointed day, and the revenue reserves or deficits or both, if any, of the dissolved company when transferred to the resulting company shall respectively form part of the profits or losses and the revenue reserves or deficits, as the case may be, of the resulting company.

23. Saving of Contracts etc.—Subject to the other provisions contained in this order, all contracts, deeds, loans, agreement and other instruments of whatever nature to which the dissolved company is a party, subsisting or having effect immediately before the appointed day, shall have full force and effect against or in favour of the resulting company and may be enforced as fully and effectively, as if, the resulting company had been a party thereto.

24. Saving of Legal Proceedings.—If, on the appointed day, any suit, prosecution, appeal or other legal proceedings of whatever nature by or against the dissolved company be pending, the same shall not abate or be discontinued, or be in any way prejudicially affected by reason of the transfer to the resulting company of the undertaking of dissolved company or of anything contained in this order. But the suit, prosecution, appeal or other legal proceedings may be continued, prosecuted and enforced by or against the resulting company in the same manner and to the same extent as it would or may be continued, prosecuted and enforced by or against the dissolved company, if this order had not been made.

25. Provision with respect to Taxation.—All taxes in respect of profits and gains (including accumulated losses and unabsorbed depreciation) of the business carried on by the dissolved company before the appointed day shall be payable by the resulting company subject to such concessions and reliefs as may be allowed under Income Tax Act, 1961 (43 of 1963) as a result of this amalgamation.



26. Provisions respecting existing officers and other employees of the dissolved company.—Every whole-time officer or employee (excluding the directors of the dissolved company) employed immediately before the appointed day in the dissolved company, shall, as from the appointed day, become an officer or employee, as the case may be, of the resulting company and shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions with the same rights and privileges as he would have held the same under the dissolved company, if this order had not been made, and shall continue to do so unless and until his employment in the resulting company is duly terminated or until his remuneration and conditions of employment are duly altered by mutual consent.

27. Position of directors.—Every director of the dissolved company holding office as such immediately before the appointed day shall cease to be a director of the dissolved company on the appointed day.

28. Membership of the Provident Fund.—All officers and employees of the dissolved company shall continue to be members of the Employee's Provident Fund under the scheme of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) of which they are members and the resulting company shall with effect from the appointed day of publication of this order in the Official Gazette make and continue to make the employer's contributions to the said Employee's Provident Fund in respect of these officers and employees at the same rates as were being made by the dissolved company.

29. Dissolution of the Webel Business Machines Limited.—Subject to the other provisions of this

order, as from the appointed day the Webel Business Machines Limited shall be dissolved and no person shall make, assert or take any claims, demands or proceedings against the dissolved company or against a director or an officer thereof in his capacity as such director or officer, except in so far as may be necessary for enforcing the provisions of this order.

30. Registration of the Order by the Registrar of Companies.—The Central Government, shall as soon as, may be, after this Order is notified in the Official Gazette, send to the Registrar of Companies, Calcutta a copy of this Order, on receipt of which the Registrar of Companies, Calcutta shall register the Order on payment of the prescribed fees by the resulting company and certify under his hand the registration thereof within one month from the date of receipt of a copy of this order. Thereafter the Registrar of Companies, Calcutta, shall place all documents registered recorded or filed with him relating to dissolved company on the file of the resulting company with whom the transferor company has been amalgamated and consolidate these and shall keep such consolidated documents on his file.

31. Memorandum and Articles of Association of the Resulting Company.—The Memorandum and Articles of Association of the Webel Business Machines Limited as they stood immediately before the appointed day shall, as from the appointed day, be the Memorandum and Articles of Association of the resulting company.

[No. 24/4/92-CL-III]

JAINDER SINGH, Jt. Secy.

